राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 619

07 फरवरी, 2018 को उत्तर के लिए

उच्च गुणवत्तायुक्त इस्पात का देश में उत्पादन

619. श्री संभाजी छत्रपतीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विश्व में लोहा और इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद, भारत अब भी रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु आदि कई हाई-एंड क्षेत्रों में उपयोग हेतु उच्च गुणवत्तायुक्त इस्पात के आयात पर निर्भर है;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार और निजी क्षेत्र लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास हेतु बहुत ही कम धनराशि व्यय करते हैं; और

(ग) सरकार ने अनुसंधान और विकास का उदारतापूर्वक निधियन करने और साथ ही निजी क्षेत्र को संयुक्त राज्य अमरीका, चीन और जापान में प्रचलित परिपाटी के अनुसार उत्पादों की लागत की एक प्रतिशत धनराशि का अनुसंधान और विकास हेतु उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु क्या-क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): भारत इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और विभिन्न ग्रेडों के इस्पात का निर्माण कर रहा है, लेकिन उत्पादन में मितव्ययिता की कमी, अपेक्षित प्रौद्योगिकी की अनुपलब्धता, प्रतिस्पर्धात्मक लागत के अपर्याप्त लाभों इत्यादि के कारण महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले अपेक्षित इस्पात हेतु आयातों पर निर्भर है।

(ख): जी हाँ। भारत में सार्वजनिक और निजी इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर होने वाला व्यय जापान और कोरिया जैसे इस्पात उत्पादक कई प्रमुख देशों की तुलना में काफी कम है।

(ग): सरकार ने भारतीय इस्पात क्षेत्र में आरएण्डडी खर्च को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए है:-

1. आर एण्ड डी पर निवेश बढ़ाने के लिए समय-समय पर इस्पात कंपनियों के साथ कार्रवाई की गई है।
2. सरकार द्वारा राष्ट्रीय इसपात नीति, 2017 प्रकाशित की गई है जिसमें इसपात क्षेत्र में आर एण्ड डी पहल और निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया है।
3. इस्पात क्षेत्र में नई खोज को बढ़ावा देने के लिए स्टील रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) का गठन किया गया है

*****